

Inhaltsverzeichnis

| | Seite |
|---|-------|
| Vorwort | 3 |
| I. DIE PARAMENTE | |
| I. Kapitel. Die allgemeine Entwicklung der Paramentenform in der Neuzeit | 7 |
| II. Kapitel. Die Seidenweberei | 19 |
| III. Kapitel. Die Stickerei | 40 |
| IV. Kapitel. Teppiche | 81 |
| V. Kapitel. Die Spitze | 91 |
| VI. Kapitel. Posamentierarbeiten | 115 |
| VII. Kapitel. Lederarbeiten | 127 |
| II. DIE KIRCHLICHEN GEFÄSSE UND GERÄTE | |
| I. Kapitel | 137 |
| II. Kapitel | 172 |
| III. Kapitel | 201 |
| 1. Der Kelch | 201 |
| 2. Das Ziborium | 210 |
| 3. Die Monstranz | 216 |
| 4. Die Reliquiare | 242 |
| 5. Das Vortrags- und Altarkreuz | 270 |
| 6. Ampel und Leuchter | 272 |
| 7. Tassen und Kännchen | 292 |
| 8. Rauchfaß und Schiffchen | 293 |
| 9. Weihwassergefäße | 298 |
| 10. Kanontafeln und Rahmen | 302 |
| 11. Silberne Altäre | 303 |
| 12. Hostienbüchse | 309 |
| 13. Der Bucheinband | 313 |
| 14. Der Krummstab | 319 |
| III. SCHMIEDEEISENARBEITEN 341 | |
| IV. DAS KIRCHLICHE MOBILIAR | |
| I. Kapitel | 377 |
| II. Kapitel | 407 |
| 1. Das Chorgestühl | 407 |
| 2. Die Thronsitze | 417 |
| 3. Das Chorpult | 418 |
| 4. Die Kirchenstühle | 425 |
| 5. Das Orgelgehäuse | 429 |
| 6. Die Beichtstühle | 436 |
| 7. Die Rahmen | 440 |
| 8. Tische und Schränke | 450 |
| 9. Gitter und Balustraden | 457 |
| 10. Die Holzdecken | 462 |
| 11. Die Türen | 465 |
| Personen-Register | 473 |
| Sach-Register | 475 |
| Orts-Register | 477 |
| Verzeichnis der Abbildungen | 481 |